DSSSB PRT, TGT & PGT

दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड

ROJGAR With ANKIT

Part(A+B)

SCHOLAR BATCH

हिन्दी

शब्द-भेद

LIVE 10-05-2024 09:00 AM

शब्द भेद

- रचना के आधार पर - 3 (व्युत्पत्ति)
  - रूढ़
  - यौगिक
  - योगरूढ़
- उत्पत्ति के आधार पर - 4 (संकर ✗)
  - देशज
  - तद्भव
  - तत्सम
  - विदेशज
- प्रयोग के आधार पर 2
  - विकारी (4)
    - संज्ञा, सर्वनाम
    - विशेषण, क्रिया
  - अविकारी (विस्मयादि बोधक)
    - सम्बन्ध बोधक अव्यय
    - समुच्चय " "
    - क्रिया विशेषण " "
- अर्थ के आधार पर - (2)
  - सार्थक - एकार्थी, अनेकार्थी, विपरीतार्थी, पर्यायवाची
  - निरर्थक → जिसका कोई अर्थ न हो।

विदेशज
- मुस्लिम शासन के प्रभाव
- ब्रिटिश शासन के प्रभाव

* बनावट / व्युत्पत्ति / रचना के आधार पर -3

(i)- रूढ़ शब्द ⇒ रूढ़ शब्द वे हैं जिनका कोई भी खण्ड सार्थक नही होता और जो परम्परा से किसी विशिष्ट अर्थ में चले आ रहे हैं।

जैसे- कान - का + न

नाक - ना + क

शिव - शि + व

गणेश - ग + णे + श

जल - ज + ल

कुर्सी - कु + र्सी

(ii)- यौगिक शब्द ⇒ वे शब्द जो दो या दो से अधिक सार्थक शब्द खण्डों के योग से निर्मित होते हैं यौगिक शब्द कहलाते हैं।

↓
मिलकर बना हुआ

जैसे -

मतदाता = मत को देने वाला (मत + दाता)
गंगाजल = गंगा का जल (गंगा + जल)
रसोईघर = रसोई के लिए घर (रसोई + घर)
विज्ञान = विश्व का ज्ञान
विद्यालय = विद्या के लिए आलय
पाठशाला = पाठ के लिए शाला
धर्मशाला = धर्म के लिए शाला
हथकड़ी = हाथ के लिए कड़ी

(iii) - योगरूढ़ शब्द ⇒ वे शब्द जो यौगिक तो होते हैं किन्तु जिनका अर्थ रूढ़ (विशेष अर्थ) हो जाता है। ये सामान्य अर्थ का प्रकट न कर किसी विशेष अर्थ का प्रकटीकरण करते हैं।
अथवा
दो सार्थक शब्द मिलकर किसी तीसरे अर्थ का बोध कराते हैं उसे योगरूढ़ कहते हैं। (बहुव्रीहि समास उदा०)

जैसे - पंकज = पंक (कीचड़) में उत्पन्न होने वाला (कमल)
लम्बोदर = लम्बा है उदर (पेट) जिसका (गणेश)
नीलकण्ठ = नीला है कण्ठ जिसका (शिव)
चन्द्रशेखर = चन्द्र है शिखर पर जिसके (शिव)
गजानन = गज के समान आनन है जिसका (गणेश)
दशानन = दस आनन हैं जिसके (रावण)

* उत्पत्ति के आधार पर - 4

(i)- देशज शब्द ⇒ देशज शब्द की उत्पत्ति देश + ज के योग से हुई है। जिसका अर्थ होता है देश में जन्मा

देशज उन शब्दों को कहते हैं जो देश की अन्य भाषाओं से ग्रहीत रहते हैं।

जैसे - गड़बड़, लोटा, तेंदुआ, जूता, लुटिया, पगड़ी, कटोरा, हुक्का, चिड़िया, तोंद, टांग, खटपट, खुरपा, दाती, गन्ना, फावड़ा, खाट, भात, खलिहान, बुलबुल, हलचल, धुँआ, झाड़ू, रोड़ा, खड़ाऊं, ठेस डिबिया, रोटी, कसरत, लथपथ, बाप, चूड़ी, भीड़-भाड़ आदि।

(ii)- तत्सम शब्द ⇒ जो शब्द संस्कृत से ज्यों के त्यों ले लिए गये हैं।
↓
संस्कृत
उन्हें तत्सम शब्द कहते हैं।

जैसे - कर्ण, नासिका, अक्षि, कुक्षि, हरिद्रा, आर्द्रक, अक्षोट

(iii)- तद्भव शब्द ⇒ जो शब्द संस्कृत से उत्पन्न होकर हिन्दी में आये हैं।
↓
भाषा
↓
हिन्दी
उन्हें तद्भव शब्द कहते हैं।

जैसे - कान, नाक, आँख, कोख, हल्दी, अदरक, अखरोट